सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 259 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मन में धीरज रखने से सब कुछ होता है। अगर कोई माली किसी पेड़ को सौ घड़े पानी से सींचने लगे तब भी फल तो ऋतु आने पर ही लगेगा।

-कबीर दास

कर्नाटक की सभी सीटों पर प्रत्याशी... 8

निकाय चुनाव के लिए सपा ने कसी... 3

सपा समर्थकों को धमका रहे भाजपाई... 7

गुजरात में पुल हादसे पर सियासत

अब तक 132 लोगों की मौत, मोदी और राज्य सरकार पर विपक्ष हमलावर

» कांग्रेस नेता सुरजेवाला बोले, वोट बटोरने के लिए आनन-फानन में खोला गया केबल पुल

» आप ने प्रदेश सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, कल केबल पुल टूटने से हुआ था हादसा

» प्रदेश में होना है विधान सभा चुनाव, विपक्ष ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात विधान सभा चुनाव से पूर्व मोरबी पुल हादसे में अब तक 132 लोगों की मौत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या वोट बटोरने के लिए आनन-फानन में पुल खोल दिया गया? वहीं आम आदमी पार्टी ने सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इतने लोगों की मौत पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया है।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री गुजराती भाई बहनों की जिंदगी की कीमत दो लाख लगाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मोरबी विधायक और मंत्री को बताना होगा जब ये पुल 26 अक्टूबर को मरम्मत के बाद खोला गया तो कैसे गिर गया? भाजपा सरकार ने 'फिटनेस सर्टिफिकेट' के बगैर पुल को जनता के इस्तेमाल के लिए खोलने की इजाजत कैसे दी? क्या ये चुनाव आचार संहिता लगने से पहले आनन फानन में वोट बटोरने के लिए किया गया? पुल की मरम्मत का काम कंपनी/ट्रस्ट को कैसे दिया गया? क्या उनका भाजपा से कनेक्शन है? वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान ने कहा कि भ्रष्टाचारियों ने पैसे खा-खाकर लूट मचा डाली। पुल उसी की देन है। भ्रष्टाचार की सजा आम जनता को मिल रही है। हादसे का कौन जिम्मेदार है? कल शाम मोरबी में मच्छु नदी पर बना केबल पुल टूट गया था। गुजरात सरकार के मुताबिक, अब तक 132 लोगों की मौत हुई है। गौरतलब है कि गुजरात विधान सभा चुनाव इसी साल के अंत तक होना है।

पीएम हुए भावुक, कहा, ऐसा दर्द पहले नहीं किया अनुभव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज को गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने मोरबी ब्रिज हादसे पर दुख व्यक्त किया। पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि मेरा मन करुणा से भरा हुआ है। मैं एकता नगर में हूं लेकिन मेरा मन मोरबी के पीड़ितों के साथ है। मैंने अपने जीवन में शायद ही कभी इस तरह के दर्द का अनुभव किया होगा। एक तरफ दर्द से भरा दिल है तो दूसरी तरफ है कर्तव्य का रास्ता है। दुख की इस घड़ी में सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ है।

घायलों से मिले सीएम भूपेंद्र पटेल

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल आज मोरबी सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां मोरबी ब्रिज गिरने से घायल हुए मरीजों को भर्ती कराया गया है। यहां सीएम ने मरीजों की हालत का जायजा लिया। इसके अलावा सीएम पटेल गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ नदी तट पर पहुंचे और अधिकारियों से जारी बचाव अभियान की जानकारी ली। वहीं कई घायल मरीजों से मुख्यमंत्री ने बात भी की।

नरेश बाल्यान, विधायक, आम आदमी पार्टी — रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस नेता

बन रहा सरदार पटेल के सपनों का भारत: योगी

» पहले गृहमंत्री की जयंती पर रन फॉर यूनिटी को सीएम ने किया रवाना

» देश भर में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाले देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले अपने सरकारी आवास से रन फॉर यूनिटी को रवाना किया इसके बाद जीपीओ पार्क में सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि सरकार पटेल ने 563 रियासतों का भारत में विलय कराया। भारत इन्हीं कारणों से आंतरिक रूप से मजबूत बना। आज भारत दुनिया का मार्गदर्शन कर रहा है। सरदार पटेल का देश तथा समाज की प्रगति में अहम योगदान है। अब सरदार पटेल के सपनों का भारत बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज देश लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मना रहा है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में बड़ी भूमिका निभाने वाले सरदार पटेल सदैव देश की एकता के पक्ष में रहे। देश के पहले उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री सरकार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को पीएम नरेन्द्र मोदी ने बड़ा आयाम देने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में ओपनिंग शॉट खेलकर सरदार पटेल राष्ट्रीय दिव्यांग टी20 कप का उद्घाटन किया। फोटो: सुमित कुमार

सुप्रीम कोर्ट में सीएए पर सुनवाई टली केंद्र को जवाब देने की मिली मोहलत

» अगली सुनवाई 6 दिसंबर को, दायर की गई हैं कई याचिकाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर अब 6 दिसंबर को सुनवाई होगी। सीजेआई ने सीएए मामले को उचित पीठ के समक्ष 6 दिसंबर को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। सीजेआई ने सरकार को असम और त्रिपुरा के संबंध में दायर याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को समय दिया है।

सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि कुल 232 याचिकाएं हैं। केंद्र ने जवाब दाखिल कर दिया है और हमें असम और त्रिपुरा की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। सीजीआई ने कहा कि ये मांग आखिरी मौके पर भी की गई थी। हालांकि केंद्र सरकार ने सीएए को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज करने की अपील की थी। मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित, जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ के समक्ष केवल सीएए के मुद्दे पर 31 अक्टूबर को 232 याचिकाएं सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं।

योगी सरकार के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी भी अब नाराज

» विभागीय बैठकों की सूचना न दिये जाने से क्षुब्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विभागीय अधिकारियों की उपेक्षा से जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक के बाद योगी सरकार के औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी भी नाराज हैं। उनकी नाराजगी की वजह उन्हें विभागीय बैठकों में न बुलाया जाना है। अधिकारियों के रवैये से नाराज सैनी ने जब इसे लेकर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) से अपनी आपत्ति जतायी तो उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पत्र लिखकर औद्योगिक विकास मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली हर बैठक में राज्य मंत्री को आमंत्रित करने का निर्देश दिया है।

यूपी सरकार के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी को शिकायत थी कि उन्हें विभाग की बैठकों में न तो बुलाया जाता है और न ही उनकी जानकारी दी जाती है। यदि कभी जानकारी दी भी जाती है तो बैठक से कुछ घंटों पहले। कई बार ऐसा होता है कि पहले से जानकारी न होने पर वह लखनऊ से बाहर होते हैं और चाह कर भी बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं। बीते दिनों औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की अध्यक्षता में हुई बैठक की भी जब उन्हें जानकारी नहीं दी गई तो उनका सब्र टूट गया और उन्होंने आईआईडीसी को फोन कर इस पर अपनी नाराजगी जतायी। इस पर आईआईडीसी को विभागीय अधिकारी को पत्र भेजकर यह कहना पड़ा है कि औद्योगिक विकास मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में राज्य मंत्री को आमंत्रित नहीं किया जा रहा है। इस पर राज्य मंत्री ने अप्रसन्नता व्यक्त की है। भविष्य में औद्योगिक विकास मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में राज्य मंत्री को आमंत्रित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने दे दिया था त्यागपत्र

इससे पूर्व जलशक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने उन्हें काम न बांटे जाने और अधिकारियों द्वारा बैठकों के बारे में जानकारी न दिए जाने से नाराज होकर त्यागपत्र दे दिया था, जिसे नामंजूर कर दिया गया था। मेरठ की हस्तिनापुर सीट से लगातार दूसरी बार विधायक चुने गए दिनेश खटीक को योगी सरकार 1.0 की तरह ही इस सरकार में भी राज्यमंत्री बनाया गया। उन्हें कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ जलशक्ति विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई।

16 जिलों के स्कूलों से मिड डे मील न बनने की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में विभिन्न विद्यालयों में मिड डे मील न बनने का मामला सामने आया है। ये मामला बीते महीने 19 से 30 सितंबर के बीच का है। शासन ने इसकी जांच करके कार्रवाई करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस मामले की जानकारी मिड डे मील की निगरानी के लिए बने आईवीआरएस पोर्टल पर विद्यालयों से ही मिली है। इस पोर्टल पर प्रधानाध्यापक या प्रभारी शिक्षक को रोजाना मिड डे मील बनने व उसके वितरण की जानकारी देनी होती है।

इसी क्रम में पोर्टल पर बदायूं के 23, प्रयागराज के 16, शाहजहांपुर के 15, बलिया के 14, उन्नाव के छह, आजमगढ़, कानपुर देहात, कुशीनगर के पांच-पांच, संतकबीरनगर, गोरखपुर के चार-चार और बरेली, गाजीपुर, लखीमपुर खीरी, महाराजगंज, रायबरेली व वाराणसी के तीन-तीन विद्यालयों में मिड डे मील न मिलने की बात सामने आई है। इसी पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने संबंधित अधिकारियों से इसकी जांच कराने व कार्रवाई करने के लिए कहा है। वहीं कोविड काल का खाद्य सुरक्षा भत्ता बांटने व उसका उपभोग प्रमाणपत्र पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश महानिदेशक ने पूर्व में दिए थे। इसके बावजूद कई जिलों से उपभोग प्रमाणपत्र देने में ढिलाई बरती गई।

प्रदेश के 34 जिलों का बनाया जाएगा ब्रांड एंबेसडर

» सीमा में प्रवेश करते ही मिलेगी नए यूपी की झलक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार अन्य राज्यों और देशों की सीमा से लगने वाले प्रदेश के 34 जिलों का कायाकल्प करने जा रही है। नेपाल और अन्य राज्यों की सीमा से इन जिलों में प्रवेश करते ही नए उत्तर प्रदेश की झलक देखने को मिलेगी। इन जिलों को दो श्रेणियों में बांटकर प्रदेश के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर विकसित किया जाएगा। इस बारे में हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण हुआ था, जिस पर जल्द शासन की मुहर लगने के आसार हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि किसी देश या राज्य से जब कोई व्यक्ति उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करे तो वह यहां के विकास से रूबरू हो सके।

उत्तर प्रदेश के 34 जिलों की सीमाएं नेपाल राष्ट्र के अलावा उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और दिल्ली राज्यों से मिलती है। सीमावर्ती जिलों के महत्व को देखते हुए इन्हें पर्यटन, संस्कृति और औद्योगिक विकास की दृष्टि से दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। इन्हीं के अनुरूप इन जिलों में बुनियादी और नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिलों में टूरिस्ट फैशिलिटेशन सेंटर, होटल चेन और यात्री प्लाजा का विकास किया जाएगा जहां ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। औद्योगिक दृष्टि से इन जिलों में ईज आफ डूइंग बिजनेस में उप्र की छलांग और उपलब्धियों की पूरी जानकारी मिलेगी। आधुनिक पुलिसिंग की व्यवस्था भी होगी। दोनों श्रेणियों के जिलों में अस्पताल, स्कूल, कालेज, शापिंग काम्प्लेक्स, मॉल, आधुनिक बस अड्डे, अच्छी सड़कें, फल/सब्जी मंडी आदि मूलभूत सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा।

कांग्रेस में प्रांतीय अध्यक्षों को सौंपी गईं जिम्मेदारियां

» अलग-अलग जिलों में संगठन खड़ा करने की दी गई जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस में सभी प्रांतीय अध्यक्षों को अलग-अलग जिलों में संगठन खड़ा करने की जिम्मेदारी दे दी गई है। वीरेंद्र चौधरी व अजय राय पूर्वांचल में और नसीमुद्दीन सिद्दीकी व योगेश दीक्षित पश्चिमी के जिलों में कामकाज देखेंगे।

नकुल दुबे को अवध और अनिल यादव 'इटावा' को बुंदेलखंड में संगठन को मजबूत करने का काम मिला है।

अब प्रांतीय अध्यक्ष अपने सजातीय समाज में प्रदेश के किसी भी हिस्से में सम्मेलन और बैठकों का आयोजन कर सकेंगे। प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष और विधायक वीरेंद्र चौधरी को सिद्धार्थनगर, महराजगंज, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, बलिया, संतकबीरनगर, फैजाबाद और अंबेडकरनगर का कार्यभार सौंपा गया है। प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, कौशांबी, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, अमेठी व सुल्तानपुर में संगठन का कामकाज देखेंगे। नसीमुद्दीन सिद्दीकी को सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मेरठ, गौतमबुद्धनगर, बिजनौर, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल की जिम्मेदारी मिली है। योगेश दीक्षित को मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, कासगंज, अलीगढ़, हाथरस, बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और फर्रुखाबाद में संगठन का कार्यभार दिया गया है। वहीं, प्रांतीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री नकुल दुबे को लखनऊ, उन्नाव, बहराइच, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, गोंडा, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, रायबरेली और प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव 'इटावा' को कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, औरैया, जालौन, महोबा, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, हमीरपुर व इटावा की जिम्मेदारी मिली है।

अखिलेश को सलाह, आजम को सपा से बाहर निकालें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

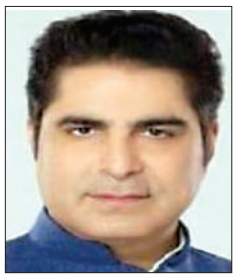

लखनऊ। पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को सलाह दी है कि सजायाफ्ता हो चुके आजम खां को पार्टी से बाहर निकालें। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी से पुलिस न हटाई जाए, क्योंकि पुलिस नहीं रही तो यूनिवर्सिटी कैंपस से चोरी का सामान हटा दिया जाएगा। पूर्व सभासद जावेद अली खां ने समर्थकों सहित नूरमहल पहुंचकर पूर्व मंत्री नवेद मियां से मुलाकात की और समाजवादी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष नोमान खां ने सभी को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। नवेद मियां ने कहा कि आजम और उनके बेटे पर गंभीर अपराधिक मुकदमे हैं। आजम को तीन साल की सजा के बाद उनकी विधायकी खत्म हो चुकी है। अब वो सजायाफ्ता है। न्यायालय से सजा पा चुके व्यक्ति का किसी भी पार्टी में होना उस पार्टी पर सवालिया निशान उठाता है, इसलिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव को चाहिए कि आजम को पार्टी से बाहर करें।

निकाय चुनाव के लिए सपा ने कसी कमर, भाजपा को चित करने की तैयारी

» सांसदों-विधायकों को उतारा मोर्चे पर, शहरी क्षेत्रों में जनाधार बढ़ाने पर भी फोकस

» बैठकों का दौर शुरू, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर भाजपा को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अब निकाय चुनाव में भाजपा से दो-दो हाथ करने को कमर कस ली है। उन्होंने पूरी रणनीति बनाकर काम करना भी शुरू कर दिया है। शहरों में जनाधार बढ़ाने के लिए दूसरे दलों के दिग्गजों पर भी सपा की नजर है। यही नहीं सपा ने सांसदों-विधायकों को भी मोर्चे पर लगा दिया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा ने निकाय चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए 2022 के निर्वाचित हुए सभी विधायक और विधान सभा उम्मीदवारों को पर्यवेक्षक बनाया गया है। यह पर्यवेक्षक नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव में जिम्मेदारी निभाएंगे। सभी जिलों के लिए अलग-अलग पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं जबकि महानगरों के लिए कई पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। सभी ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। पर्यवेक्षक जिला अध्यक्षों के साथ बैंठके करके सबसे पहले वोटर लिस्ट में अधिक से अधिक नाम जुड़वाने का कार्य

करेंगे। नये परिसीमन के आधार पर जातीय समीकरण पर भी पार्टी का फोकस है। अखिलेश यादव ने निर्देश दिया है कि निकाय चुनाव के लिए कमर कस लें। इनमें पार्टी के प्रदर्शन को मजबूत करने की मशक्कत गंभीरता से शुरू कर दी जाए। इन चुनावों के परिणामों से पार्टी और राजनीति की आगामी दशा-दिशा तय होगी। भाजपा को केवल सत्ता चाहिए। उसके लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है इसलिए सपा कार्यकर्ता सतर्क रहें।

दूसरे दलों पर भी नजर

शहरी क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सपा ने दूसरे दलों में सेंधमारी भी शुरू की है। पिछले दिनों गढ़मुक्तेश्वर नगरपालिका के चेयरमैन सोना सिंह समेत बसपा सभासद उस्मान चौधरी समेत कई बसपा नेताओं ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव में गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़) सपा के विधान सभा प्रत्याशी रहे रवींद्र चौधरी के नेतृत्व में खजान सिंह, शेर सिंह कर्दम प्रबंधक डा. अंबेडकर उत्थान समिति, अशोक कुमार (फौजी) जिला सचिव किसान मोर्चा भारतीय किसान यूनियन, अरविंद कुमार एडवोकेट बसपा नगर कार्यकारिणी सदस्य, बादल सिंह आजाद युवा मोर्चा बसपा कार्यकारिणी सदस्य, शहजाद चौधरी सदस्य युवजन बसपा तथा बसपा के पूर्व सभासद योगेंद्र की पत्नी सरिता ने सपा की सदस्यता ग्रहण की थी। गत विधान सभा चुनाव में सपा अपेक्षानुरूप प्रदर्शन भले न कर सकी हो लेकिन शहरी क्षेत्रों में उसका प्रदर्शन पिछले चुनावों से बेहतर रहा था।

भाजपा पर लगातार हमलावर हैं अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव विभिन्न मुद्दों पर प्रदेश की भाजपा सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं। उन्होंने इन्हीं मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के निर्देश पार्टी पदाधिकारियों को दिए हैं।

आजम के मुद्दे को भुनाने की कोशिश

लखनऊ। फायर ब्रांड नेता और रामपुर के विधायक मोहम्मद आजम खां की विधान सभा सदस्यता रद्द होना समाजवादी पार्टी के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। सपा के संस्थापक सदस्यों में शुमार आजम खां पार्टी के मुस्लिम चेहरे के तौर पर जाने जाते हैं। आजम खां का लंबा राजनीतिक अनुभव सपा के लिए मायने रखता है। आजम खां के सदस्यता रद्द होने के मुद्दे का सपा निकाय चुनाव में पूरा भावनात्मक लाभ उठाने की कोशिश कर सकती है। चूंकि सपा बार बार कहती रही है कि सरकार उसके खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है और फर्जी मुकदमे लगाए गए हैं। हालांकि आजम को सजा अदालत ने दी है और नियमानुसार उनकी विधायकी गई है। सजा भी भड़काऊ भाषण देने के मामले में मिली है पर इसका भावनात्मक लाभ लेने की सपा कोशिश कर सकती है। खास तौर से जिस तरह बसपा फिर से मुस्लिम वोटरों को लुभाने की कोशिश कर रही है और सपा के लिए यह चिंता है तो इस चिंता का समाधान यह रोक हो सकती है। निकाय चुनाव में इसका असर साफ देखने को मिलेगा।

'ऑपरेशन जागो' के जरिए निकाय चुनाव में अपना दमखम दिखाएगी बसपा

» अभियान के तहत छोटी-छोटी बैठकें कर पदाधिकारी बनाएंगे रणनीति

» मायावती बोलीं, पार्टी की आर्थिक मदद के लिए लोगों को जोड़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की करारी हार से हताश कार्यकर्ताओं को उबारने के लिए बसपा ने 'आपरेशन जागो' अभियान शुरू किया है। यह अभियान निकाय चुनाव के लिए शुरू किया गया है। इसमें को-ऑर्डिनेटर कार्यकर्ताओं के साथ छोटी-छोटी बैठकें कर चुनाव में जीत की रणनीति बनाएंगे। निकाय चुनाव के मद्देनजर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खास रणनीति बनाई है। उन्होंने पुराने चल रहे सदस्यता अभियान को बंद कर दिया है।

कहा गया है कि पार्टी की आर्थिक मदद के लिए लोगों को जोड़ें। जो लोग लंबे समय से पार्टी के साथ हैं, उन्हें निकाय चुनाव में भी आगे रखा जाए। अभियान में सभी को-ऑर्डिनेटर अपने-

अपने क्षेत्र में बैठक कर सभी कार्यकर्ताओं से बात करेंगे और निकाय चुनाव में जी जान से जुटने का आह्वान करेंगे। जरूरत पर बड़ी बैठकें भी होंगी। बसपा का ध्यान इस बार मुस्लिम मतदाताओं पर है। बैठकों का लक्ष्य भी यही है। पार्टी की रणनीति है कि मुस्लिमों को यह समझाया जाए कि दलित मुस्लिम समीकरण ही भाजपा को रोक सकता है। यही सबसे अच्छा विकल्प है। ऐसे में इस मुहिम में मुस्लिम क्षेत्रों में ज्यादा बैठकें करने की योजना है। कहा गया है कि पार्टी में मुस्लिम कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा सक्रिय किया जाए।

भाजपा का प्रत्याशी प्रदेश नेतृत्व तय करेगा

वार्डवार आरक्षण भले ही अभी जारी नहीं हुआ लेकिन भाजपा ने निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन को लेकर अपनी तैयारी पूरी कर ली है। टिकट देने की प्रक्रिया पर कोई सवाल न उठने पाए, इसके लिए प्रत्याशी के अंतिम रूप से चयन की जिम्मेदारी प्रदेश नेतृत्व ने स्वंय अपने हाथ में ली है। मंडल, जिला और क्षेत्र की टीम की भूमिका प्रत्याशी चयन में प्रदेश नेतृत्व के मददकर्ता के तौर पर होगी। इसके लिए पार्टी ने त्रिस्तरीय प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया है। इस सारी प्रक्रिया में हमेशा की तरह प्रत्याशी चयन में कार्यकर्ता होने और जिताऊ होने की शर्त पार्टी ने अनिवार्य रूप से रखी है। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया मंडल स्तर से शुरू होगी। मंडल की टीम में मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि और उस क्षेत्र के रहने वाले विधायक व सांसद शामिल रहेंगे। यह टीम पार्टी के मानक पर दावेदारों की प्राथमिक स्तर पर छंटनी करेगी। मानक पर खरे पाए गए संभावित प्रत्याशियों की सूची जिला टीम को सौंपेगी।

राज्य सरकार ने निकाय चुनाव की तैयारियां की तेज

लोक सभा चुनाव 2024 का सेमीफाइनल माने जा रहे स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों में सभी दल अपनी ताकत लगाए हुए हैं। हालांकि अभी महापौर से लेकर नगर पालिका व नगर पंचायतों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट नहीं है लेकिन सभी दल मतदाताओं पर पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं। दीपावली पर खूब मतदाता मिलन हुआ। इसी क्रम में सभी दल समीकरण बनाने में जुट गए हैं। बैठक कर वोटरों पर अपनी पकड़ बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि नवंबर के दूसरे हफ्ते में निकाय चुनाव पर काम शुरू हो जाएगा। प्रदेश में छह चरणों में यह चुनाव कराया जा सकता है। 4 नवंबर तक वार्डों में आरक्षण की सूची भी क्लीयर हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां जारी है।

लखनऊ में बदल जाएगा कई सीटों का समीकरण

राजधानी में रैपिड सर्वे (पिछड़ा वर्ग) की गणना का काम पूरा होने से नगर निगम के 110 वार्डों में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो जाएंगी। इस गणना से सीटों पर जातीय समीकरण भी बदल जाएगा। वार्डों का आरक्षण का खाका तय होने के बाद ही स्थितियां साफ हो पाएंगी, लेकिन मौजूद पार्षदों के साथ ही पहली बार चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों की भी धुकधुकी तेज हो गई है। 2017 के निकाय चुनाव में पिछड़ा (जनगणना 2011 के आधार पर) वर्ग के लिए 20 सीटें आरक्षित की गई थीं, जो अब नगर निगम सीमा में विस्तारित क्षेत्र शामिल होने से बढ़ गई है।

बता दें कि पिछड़े वर्ग की आबादी बढ़ने से आरक्षण का लाभ भी इस वर्ग को अधिक मिलेगा। निकाय चुनाव में बीस के बजाय 21 सीटें पिछड़ा वर्ग (पुरुष-महिला) के लिए आरक्षित हो जाएंगी। इसी तरह अनुसूचित जाति की सीटों की संख्या भी बढ़ जाएगी। इस वर्ग के लिए अभी तक बारह सीटें (महिला पुरुष) थीं, जो बढ़कर 14 हो जाएंगी। अनारक्षित सीट पर कैंची चल जाएगी। वर्ष 2017 के चुनाव में अनारक्षित सीट (सामान्य वर्ग) की सीटों की संख्या 53 थी, जो अब घटकर 50 हो जाएंगी। इसी तरह 25 सीटें महिला आरक्षित होंगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वैश्विक आतंकवाद पर मंथन के मायने

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद निरोधी समिति (सीटीसी) की दो दिवसीय बैठक भारत के मुंबई व दिल्ली में संपन्न हुई। इसका उद्देश्य आतंकियों द्वारा इंटरनेट, सोशल मीडिया और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के प्रयोग से निपटना और उनकी फंडिग को रोकने के तरीके पर मंथन करना रहा। इस बैठक में भारत और अमेरिका समेत कई देशों ने न केवल आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए खतरनाक बताया बल्कि इसके खात्मे के लिए जरूरी कदम उठाने पर बल दिया। सवाल यह है कि बढ़ती आतंकी घटनाओं के बावजूद तमाम देश आजतक आतंकवाद को लेकर दोहरा मापदंड क्यों अपना रहे हैं? आतंकवाद के खात्मे के लिए कारगर वैश्विक रणनीति क्यों नहीं बनी? क्या संयुक्त राष्ट्र के मंच से बोल देने भर से आतंकी घटनाओं को रोका जा सकता है? क्या आतंकवाद के जड़ को खत्म किए बिना इसका खात्मा हो सकता है? क्या अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विश्व के शक्तिशाली देश दुनिया को अंधेरे में रख रहे हैं? संयुक्त राष्ट्र इसके खिलाफ ठोस कार्रवाई क्यों नहीं कर सका? क्या भारत को आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी?

दुनिया में आतंकवाद तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल टेरेरिज्म इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक 2020 के मुकाबले 2021 में आतंकी घटनाओं में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है। 2020 में 4458 आतंकी घटनाएं हुई थीं जबकि 2021 में इनकी संख्या 5226 थी। 2007 के बाद यह आंकड़ा सबसे अधिक है। हालांकि मौतों में मामूली सुधार हुआ है। एक साल में हमलों की घातकता 1.6 मौत प्रति हमले से घटकर 1.4 मौत हुई है। वहीं पिछले एक साल में 44 देशों में आतंकवाद से कम से कम एक मौत हुई है। दरअसल, अब आतंकी हाईटेक हो चुके हैं। वे इंटरनेट, सोशल मीडिया और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल अपने संगठन को विस्तार देने, फंड जुटाने, अपने साथियों को हथियार पहुंचाने और हमले करने में कर रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक में कहा कि इंटरनेट व सोशल मीडिया आतंकवादी संगठनों के टूलकिट बन गए हैं। आतंकियों ने नयी टेक्नोलॉजी तक पहुंच हासिल करके अपनी क्षमताएं बढ़ा ली हैं। भारत की ये चिंताएं बेहद गंभीर हैं। बावजूद इसके अमेरिका और चीन जैसे कई देश आतंकवाद को लेकर दोहरी रणनीति अपना रहे हैं। वे अपने निहित स्वार्थों के कारण आतंक को प्रश्रय देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ नरम रुख अपनाते हैं। जाहिर है दुनिया के देशों के एकजुट हुए बिना आतंक का खात्मा नहीं हो सकता है। वैसे यह बैठक भारत के लिए कूटनीतिक रूप से भले सफल रही हो लेकिन उसे अभी आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई खुद ही लड़नी होगी।

सवाल यह है कि बढ़ती आतंकी घटनाओं के बावजूद तमाम देश आजतक आतंकवाद को लेकर दोहरा मापदंड क्यों अपना रहे हैं? आतंकवाद के खात्मे के लिए कारगर वैश्विक रणनीति क्यों नहीं बनी? क्या संयुक्त राष्ट्र के मंच से बोल देने भर से आतंकी घटनाओं को रोका जा सकता है? क्या आतंकवाद के जड़ को खत्म किए बिना इसका खात्मा हो सकता है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अस्तित्व के संकट से जूझता आदिवासी समाज

पंकज चतुर्वेदी

झारखंड राज्य की 70 फीसदी आबादी 33 आदिवासी समुदायों की है। हाल में एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि यहां दस ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी नहीं बढ़ रही है। ये आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से कमजोर तो हैं ही इनकी आबादी में लगातार गिरावट से इनके विलुप्त होने का खतरा भी है। ठीक ऐसा ही संकट बस्तर इलाके में भी देखा गया। जहां छत्तीसगढ़ राज्य की जनसंख्या दर में सालाना वृद्धि 4.32 प्रतिशत है वहीं बीजापुर जिले में आबादी की बढ़ोतरी का आंकड़ा 19.30 से घट कर 8.76 रह गया। देश की दो-तिहाई आदिवासी जनजाति मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है और यहीं इनकी आबादी लगातार कम हो रही है। अंडमान निकोबार और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बीते चार दशक में कई जनजातियां लुप्त हो गईं। एक जनजाति के साथ उसकी भाषा-बोली, मिथक, मान्यताएं, संस्कार, भोजन, आदिम ज्ञान सब कुछ लुप्त हो जाता है।

झारखंड में आदिम जनजातियों की संख्या के आंकड़े चौंकाते हैं। इनकी संख्या 2001 में तीन लाख सतासी हजार से घटकर 2011 में दो लाख ब्यानवें हजार रह गई। ये जनजातियां हैं- कंवर, बंजारा, बथुडी, बिझिया, कोल, गौरेत, कॉड, किसान, गोंड और कोरा हैं। माल्तो-पहाड़िया, बिरहोर, असुर, बैगा जनजातियों की आबादी लगातार सिकुड़ रही है। इन्हें राज्य सरकार ने पीवीजीटी श्रेणी में रखा है। मुंडा, उरांव, संथाल जो सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्तर पर आगे आ गए हैं, उनके आंकड़े जनगणना विस्तार के अनुरूप हैं। बस्तर में गोंड, दोरले, धुरबे आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। कोरिया, सरगूजा, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा में आदिवासी आबादी तेजी से घटी है। यह भी गौरतलब है कि नक्सलग्रस्त क्षेत्रों में पहले से ही कम संख्या वाले आदिवासी समुदायों की संख्या और कम हुई है। कोई शक नहीं कि आम आदिवासी शांतिप्रिय हैं। उनकी पुरानी कथाओं में उनके सुदूर क्षेत्रों से पलायन व एकांतवास का मूल कारण यही बताया जाता है कि वे किसी से युद्ध नहीं चाहते। नक्सलवादी हिंसा और प्रतिहिंसा से वे प्रभावित हुए और बड़ी संख्या में पलायन करते रहे। अकेले सुकमा जिले से हिंसा के पुराने दौर में पलायन किए 15 हजार परिवारों में से आधे भी नहीं लौटे। मध्य प्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं जिनकी आबादी

डेढ़ करोड़ के आसपास है। यहां भी बड़े समूह तो प्रगति कर रहे हैं लेकिन कई आदिवासी समूह विलुप्त होने के कगार पर हैं। इनमें भील-भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा यानी 59.939 लाख है।

गोंड की जनसंख्या 50.931 लाख, कोल की 11.676 लाख, कोरकू की 7.308 लाख और सहरिया आदिवासियों की आबादी 6.149 लाख है। इनकी जनसंख्या वृद्धि दर, बाल मृत्यु दर आदि में खासा सुधार है लेकिन दूसरी तरफ बिरहुल या बिरहोर आदिवासी समुदाय की जनसंख्या केवल 52 है। कोंध समूह (मुख्यत: ओडीशा में रहने वाले) की जनसंख्या 109, परजा की जनसंख्या 137 व सौंता समूह की संख्या 190 है। अब इनके यहां बच्चे कम होना या न होना एक बड़ी समस्या है। असल में इनका समुदाय बहुत छोटा है और इनके विवाह संबंध बहुत छोटे समूह में ही होते रहते हैं। अत: जैनेटिक कारणों से भी वंश-वृद्धि न होने की संभावना है। भारत में आदिवासियों की भौगोलिक स्थिति तेजी से बदल रही है। एक सरकारी रिपोर्ट में सामने आया है कि देश की करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी अपने पारंपरिक आवास से बाहर निवास कर रही है।

किसानी या जंगल उत्पादों पर जीवनयापन करने वाली जनजातियों के लिए प्राकृतिक संसाधन कम हो गए और इस आर्थिक संकट के कारण भी उनका पलायन हुआ। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट 'ट्राइबल हेल्थ ऑफ इंडिया' में उजागर होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आदिवासियों की कुल दस करोड़ चालीस लाख के करीब आबादी में से आधी से अधिक 809 आदिवासी बहुल क्षेत्रों से बाहर रहती है। शोध पत्रिका लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार, आदिवासी जनजाति के लोगों का औसत जीवन काल 63.9 है जो गैर-आदिवासी लोगों से तीन वर्ष कम है। इसका कारण बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। गौरतलब है कि प्रत्येक आदिवासी समुदाय की अपनी ज्ञान-शृंखला है। एक समुदाय के विलुप्त होने के साथ ही उनका कृषि, आयुर्वेद, मौसम आदि का हजारों साल पुराना ज्ञान भी समाप्त हो जाता है। यह दुखद है कि सरकारी योजनाएं आदिवासियों की परंपराओं और उन्हें संरक्षित करने के बजाय उनका आधुनिकीकरण करने पर ज्यादा जोर देती हैं। दरअसल, जरूरत जनजातियों को उनके मूल स्वरूप में सहेजने की है।

चीन में जिनपिंग की तीसरी पारी

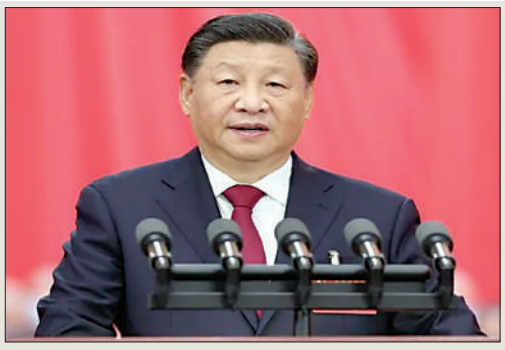

राजीव रंजन

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की कांग्रेस का 20वां अधिवेशन 16 से 22 अक्टूबर तक बीजिंग में आयोजित किया गया। यह आयोजन पांच वर्ष में एक बार होता है। इस बार 2296 प्रतिनिधि दस साल में एक बार होने वाले पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व में बदलाव के लिए एकत्रित हुए थे। अंतिम दिन पार्टी अधिवेशन ने महासचिवीय प्रतिनिधि दल द्वारा नामित 204 सदस्यों वाली केंद्रीय समिति पर मुहर लगायी। इस केंद्रीय समिति ने अपनी पहली बैठक में 24 सदस्यों वाली नयी पोलिट ब्यूरो और सात सदस्यों वाली पोलिट ब्यूरो की स्थायी समिति को चुना। हालांकि 204 सदस्यीय केंद्रीय समिति में 11 महिलाएं चुनी गयी हैं पर पोलिट ब्यूरो स्थायी समिति में प्रवेश करना तो दूर 24 सदस्यों वाली पोलिट ब्यूरो में भी एक महिला नहीं है।

यह तब हो रहा है, जब चीनी महिलाएं जीवन के अन्य पहलुओं में पुरुषों से कम नहीं हैं। माओ का यह कहना कि स्त्रियां आधा आकाश हैं, राजनीति में अब तक चरितार्थ नहीं हुआ है। सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिनिधित्व के साथ राजनीति प्रतिनिधित्व भी महिला सशक्तीकरण के लिए अति आवश्यक है। इस बार का कांग्रेस कई मायने में हटकर रहा। चार दशकों से चली आ रही परिपाटी कि 68 वर्ष के हो चुके सदस्य राजनीति से अवकाश लेते थे तथा 67 वर्ष वाले सदस्यों को सम्भवत: एक मौका मिलता था, बर्शते वे दुबारा उसी पद के लिए न चुने जाएं। शी जिनपिंग पर उम्र और पद सीमा की बाध्यता नहीं लगी और वे तीसरी बार पार्टी के महासचिव बने। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार पोलिट ब्यूरो के स्थायी समिति या पोलिट ब्यूरो में पार्टी के युवा संगठन के किसी सदस्य को शामिल नहीं किया गया है, जो पार्टी के अंदरूनी लोकतंत्र के लिए अहम होता है।

शी के नजदीकी लोगों को इन शक्तिशाली समूहों में होना कई चीनियों को नागवार लगा है। परंतु प्रश्न यह उठता है कि शी क्यों तीसरी बार महासचिव बने और क्यों लंबे समय से चली आ रही परिपाटी को नजरअंदाज किया गया? कम्युनिस्ट सरकारों में हमेशा तख्तापलट या तानाशाही का खतरा रहता है। इस आशंका को दूर करने के लिए शियाओपिंग ने सरकार बदलने का एक व्यवस्थित तरीका लाकर चीनी कम्युनिस्ट सरकार को इस आलोचना से परे रखा था। कई व्याख्याएं दी जा रही हैं शी के तीसरी बार पार्टी महासचिव बनने पर। उन सबको बिना पूरी तरह खारिज किये या शत प्रतिशत सही मानते हुए कुछ बातें रेखांकित की जा सकती हैं। 2017 में आयोजित 19वीं कांग्रेस के समय से ही चीन और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। चार दशकों से चली आ रहे चीन-अमेरिका संबंधों में अचानक बदलाव हुआ तथा निक्सन और किसिंजर द्वारा प्रायोजित चीन-अमेरिका संबंधों के सुनहरे काल की जगह व्यापार युद्ध ने ले ली। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से दोनों देशों में दूरियां बढ़नी शुरू हो चुकी थीं। हांगकांग संकट को लेकर इसमें और तेजी आयी। जो बाइडेन के आने के बाद चीन-अमेरिका में कुछ सुधार होने के आसार थे और चीनी विद्वान आशान्वित लग भी रहे थे, पर अमेरिकी नीति में ज्यादा बदलाव नहीं आया।

अमेरिका की घरेलू राजनीति में ताइवान को लेकर उलट-पलट शुरू हो गया, जो अमेरिकी कांग्रेस के सभापति नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से और गहराया। यह चीनी दिलो-दिमाग पर शीतयुद्ध कालीन ताइवान के जख्मों को फिर से कुदेरने के लिए काफी था। यही कारण हैं कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने संविधान में संशोधन कर ताइवान की आजादी का पुरजोर विरोध करना पार्टी का एक अहम लक्ष्य बना दिया है। पहली बार चीन और ताइवान के बीच बने '1992 सहमति' का कोई जिक्र तक नहीं किया गया 20वीं कांग्रेस में। यहां तक कि 72 वर्षीय चांग यौशिया, जिनके पास वियतनाम युद्ध का अनुभव है, को केंद्रीय मिलिटरी आयोग का प्रथम उप सभापति बनाने के साथ पार्टी के केंद्रीय समिति का सदस्य भी बनाया गया है। चीन अब अमेरिकी विदेश नीति को अधिक संदेहास्पद दृष्टि से देखने लगा है तथा किसी भी नीति को चीन के विकास और दुनिया से उसे अलग-थलग करने की मुहिम का हिस्सा समझता है, चाहे वह क्वाड की बढ़ती प्रासंगिकता हो या हिंद-प्रशांत नीति का विस्तार या फिर रूस पर लगे आर्थिक प्रतिबंध तथा उसे अलग-थलग करने की पश्चिमी देशों की कोशिश। गलवान में भारत और चीन की टुकड़ियों के बीच हुई झड़प से पैदा हुई स्थिति 1962 के बाद भारत-चीन संबंधों में सबसे बड़ा संकट बनकर उभरी है। इन सबको लेकर चीन में एक हवा बनी कि देश में एक मजबूत नेतृत्व तथा निरंतरता जरूरी है।

तो यूं कहें कि चीन बाह्य वातावरण में आये विपरीत बदलाव को लेकर आंतरिक रूप से अपने को संगठित और दृढ़ संकल्पित दिखाने के लिए शी के नेतृत्व में फिर से मजबूत दिखना चाहता है। चीन आंतरिक रूप से भी एक मजबूत राष्ट्र और दो शताब्दी लक्ष्यों में दूसरा लक्ष्य चीन को 2049 तक एक आधुनिक समृद्ध समाजवादी देश बनाने का संकल्प-को पूरा करना चाहता है, जो इस प्रतिलोम बाहरी वातावरण में चीन के लिए असंभव तो नहीं, लेकिन कठिन जरूर साबित होगा। नये युग का आगाज, जो शी जिनपिंग ने 19वीं पार्टी कांग्रेस के समय किया था, पर चीन-अमेरिका तनाव, ताइवान-हांगकांग की समस्या, कोविड जनित स्वास्थ्य एवं आर्थिक दिक्कतें तथा बाह्य वातावरण में व्यापक परिवर्तन आदि कारकों का धुंध-सा लग गया है।

गोमाता को समर्पित पर्व है
गोपाष्टमी

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी मनाई जाती है। इस दौरान यानि गोपाष्टमी के दिन उपवास रखा जाता है। गोमाता को समर्पित इस पर्व में गायों की पूजा की जाती है। गोपाष्टमी मथुरा, वृंदावन और ब्रज का प्रसिद्ध त्योहार है। इस दिन गाय की पूजा की जाती है। साल 2022 में गोपाष्टमी 01 नवंबर को मनाई जाएगी। आइए जानते हैं गोपाष्टमी पूजा के लिए शुभ मुहूर्त पूजा विधि और इस दिन का महत्व। हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर भारतीय पर्व परम्परा में गोपाष्टमी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गायों का दर्शन-पूजन करना चाहिए. इसके बाद गोमाता को नैवेद्य अर्पण करते हुए नैवेद्य में गायों को रुचिकर आहार प्रदान करना चाहिए। दरअसल, सनातन धर्म व संस्कृति के एक अभिन्न हिस्सा माने जाने वाली गाय को, भारत में माता के रूप में पूजा जाता है। गौ (गाय) माता में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। गोपाअष्टमी यह पर्व गौ माता को ही समर्पित होता है।

तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार गोपाष्टमी कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस बार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 01 नवंबर, 2022 को देर रात 1 बजकर 11 मिनट से प्ररंभ हो रही है। वहीं अष्टमी तिथि की समाप्ति 01 नवंबर को रात 11 बजकर 04 मिनट पर होगी। उदया तिथि के अनुसार इस साल गोपाष्टमी 01 नवंबर 2022 को मनाई जाएगी।

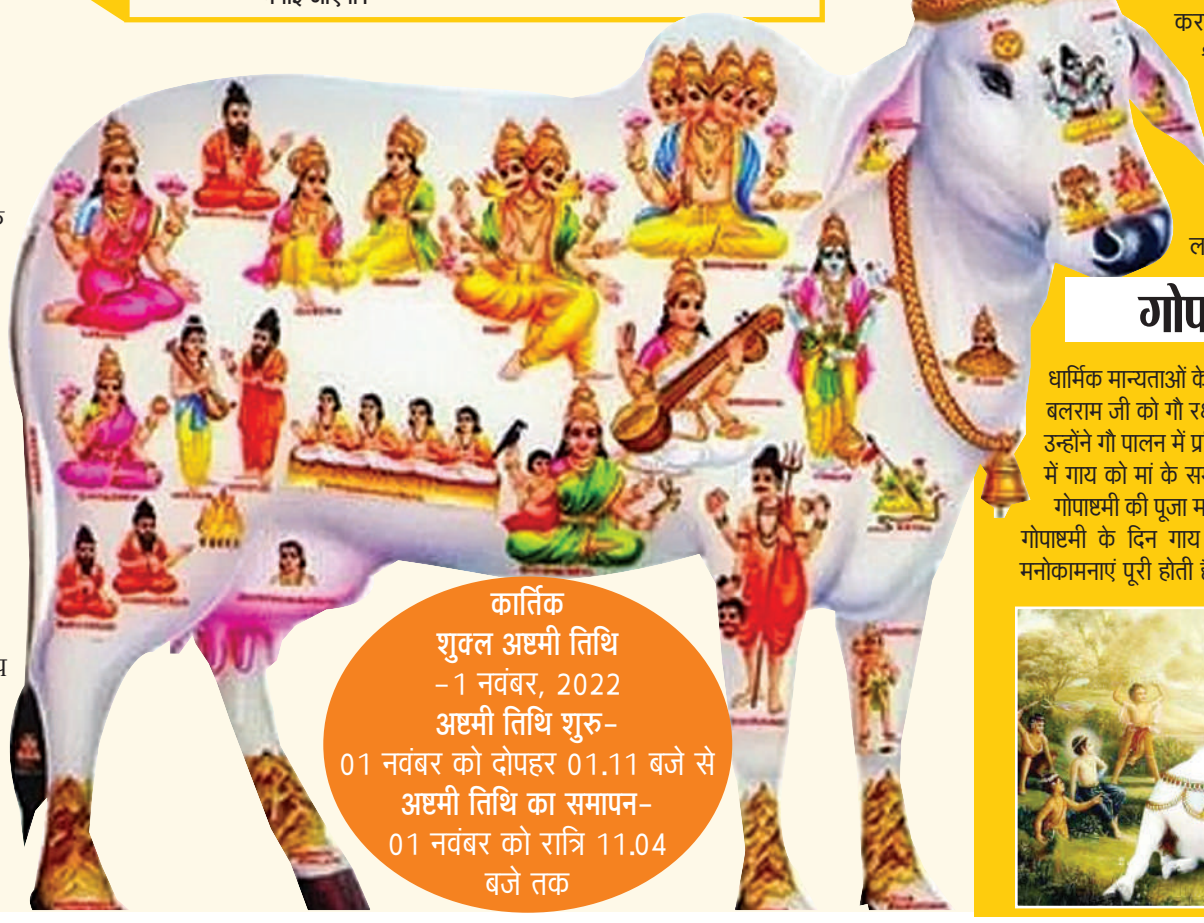

कार्तिक शुक्ल अष्टमी तिथि
-1 नवंबर, 2022
अष्टमी तिथि शुरु-
01 नवंबर को दोपहर 01.11 बजे से
अष्टमी तिथि का समापन-
01 नवंबर को रात्रि 11.04 बजे तक

पूजा विधि

गोपाष्टमी के दिन सुबह गायों को स्नान कराएं। इस दिन गायों का अच्छी तरह श्रृंगार करें और उन्हें अच्छी तरह सजाएं। इसके बाद फूल से गाय का पूजन करें और गाय के पैर छूएं। गाय का पूजन करने के बाद उनकी परिक्रमा अवश्य करें। अब गौ माता के पैरों की मिट्टी को मस्तक पर लगाएं और हाथ जोड़कर प्रणाम करें।

गोपाष्टमी का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार द्वापर युग में भगवान कृष्ण और बलराम जी को गौ रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, जिस कारण उन्होंने गौ पालन में प्रशिक्षण भी हासिल किया था। सनातन धर्म में गाय को मां के समान पूजनीय माना जाता है। हिन्दू धर्म में गोपाष्टमी की पूजा महत्वपूर्ण पूजाओं में से एक मानी जाती है। गोपाष्टमी के दिन गाय माता की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

हंसना मना है

पत्नी चिल्ला कर बोली- आज शाम को जल्दी घर आ जाना पति- क्यों कुछ खास है क्या? पत्नी- मायके से रिश्तेदार आ रहे हैं पति- मेरा दिमाग मत खाओ, मैं बिजी हूँ, कौन कौन आ रहा है? पत्नी- मेरी दोनों छोटी बहनें आ रही हैं पति खुश होकर- अरे डार्लिंग, तुम्हारे रिश्तेदार मतलब मेरे रिश्तेदार पक्का टाइम से आ जाऊंगा।

लड़की से लड़का बोला- डार्लिंग मुझे तुम्हारी आंखों में सारी दुनिया दिखाई देती है। पीछे से एक दादा जी बोले- हमारी गाय नहीं मिल रही, दिखे तो बताना बेटा।

मम्मी मैं आज रात को सू-सू करने गया तो पता है क्या हुआ? मम्मी- नहीं तो! क्या हुआ? बच्चा- मैंने जैसे ही बाथरूम का दरवाजा खोला ना तो लाइट अपने आप चालू हो गई और ठंडी-ठंडी हवा आने लगी। उसकी बात सुनकर मम्मी गुस्से में बोली- तू आज फिर फ्रिज में सू-सू कर आया।

पप्पू का पांव केले के छिलके पर पड़ा और वो फिसल कर गिर गया...! पप्पू उठा और फिर आगे चला, तो दूसरे छिलके में पांव पड़ा और फिर फिसल कर गिर गया...! पप्पू फिर उठा और थोड़ा आगे और चला, तो उसे तीसरा छिलका दिख गया...! पप्पू रोते-रोते बोला - धत तेरे की, अब फिर से फिसलना पड़ेगा...!

कहानी — घमंडी कौवा

हंसों का एक झुण्ड समुद्र तट के ऊपर से गुजर रहा था, उसी जगह एक कौवा भी मौज मस्ती कर रहा था। उसने हंसों को उपेक्षा भरी नजरों से देखा तुम लोग कितनी अच्छी उड़ान भर लेते हो! कौवा मजाक के लहजे में बोला, तुम लोग और कर ही क्या सकते हो बस अपना पंख फड़फड़ा कर उड़ान भर सकते हो! क्या तुम मेरी तरह फूर्ती से उड़ सकते हो ? मेरी तरह हवा में कलाबाजियां दिखा सकते हो? नहीं, तुम तो ठीक से जानते भी नहीं कि उड़ना किसे कहते हैं ! कौवे की बात सुनकर एक वृद्ध हंस बोला, ये अच्छी बात है कि तुम ये सब कर लेते हो, लेकिन तुम्हें इस बात पर घमंड नहीं करना चाहिए। मैं घमंड-वमंड नहीं जानता, अगर तुम में से कोई भी मेरा मुकाबला कर सकत है तो सामने आये और मुझे हरा कर दिखाए। एक युवा नर हंस ने कौवे की चुनौती स्वीकार कर ली। यह तय हुआ कि प्रतियोगिता दो चरणों में होगी, पहले चरण में कौवा अपने करतब दिखायेगा और हंस को भी वही करके दिखाना होगा और दूसरे चरण में कौवे को हंस के करतब दोहराने होंगे। प्रतियोगिता शुरू हुई, पहले चरण की शुरुआत कौवे ने की और एक से बढ़कर एक कलाबजिया दिखाने लगा, वह कभी गोल-गोल चक्कर खाता तो कभी जमीन छूते हुए ऊपर उड़ जाता। वहीँ हंस उसके मुकाबले कुछ खास नहीं कर पाया। कौवा अब और भी बढ़-चढ़ कर बोलने लगा, मैं तो पहले ही कह रहा था कि तुम लोगों को और कुछ भी नहीं आताज्ही ही ही, नैतिक शिक्षा देती इस कहानी का अपने बच्चों को जरूर सुनाएं फिर दूसरा चरण शुरू हुआ, हंस ने उड़ान भरी और समुद्र की तरफ उड़ने लगा। कौवा भी उसके पीछे हो लिया, ये कौन सा कमाल दिखा रहे हो, भला सीधे -सीधे उड़ना भी कोई चुनौती है ? सच में तुम मूर्ख हो !, कौवा बोला। पर हंस ने कोई ज़वाब नही दिया और चुप-चाप उड़ता रहा, धीरे-धीरे वे ज़मीन से बहुत दूर होते गए और कौवे का बडबडाना भी कम होता गया, और कुछ देर में बिलकुल ही बंद हो गया। कौवा अब बुरी तरह थक चुका था, इतना कि अब उसके लिए खुद को हवा में रखना भी मुश्किल हो रहा था और वो बार -बार पानी के करीब पहुच जा रहा था। हंस कौवे की स्थिति समझ रहा था, पर उसने अनजान बनते हुए कहा, तुम बार-बार पानी क्यों छू रहे हो, क्या ये भी तुम्हारा कोई करतब है ? नहीं कौवा बोला, मुझे माफ कर दो, मैं अब बिलकुल थक चूका हूं और यदि तुमने मेरी मदद नहीं की तो मैं यहीं दम तोड़ दूंगाज्मुझे बचा लो मैं कभी घमंड नहीं दिखाऊंगा. हंस को कौवे पर दया आ गयी, उसने सोचा कि चलो कौवा सबक तो सीख ही चुका है, अब उसकी जान बचाना ही ठीक होगा,और वह कौवे को अपने पीठ पर बैठा कर वापस तट की और उड़ चला।

सीख: दोस्तों,हमे इस बात को समझना चाहिए कि भले हमें पता ना हो पर हर किसी में कुछ न कुछ quality होती है जो उसे विशेष बनाती है। और भले ही हमारे अंदर हजारों अच्छाईयां हों, पर यदि हम उसपे घमंड करते हैं तो देर-सबेर हमें भी कौवे की तरह शर्मिंदा होना पड़ता है। एक पुरानी कहावत भी है, घमंडी का सर हमेशा नीचा होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज घर परिवार की स्थिति पर चर्चा करेंगे अपनी मां से आज कोई खास बात करेंगे, जिससे दिल में शांति का एहसास होगा। काम को लेकर किए गए प्रयास सफलता दायक साबित होंगे ।

वृषभ

किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। पेंडिंग में पड़े हुए काम आज पूरे हो जाएंगे. इस राशि के लोग अपने जीवनसाथी को लेकर कहीं डेट पर जा सकते हैं।

मिथुन

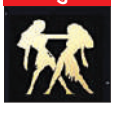

आज का दिन परिवार वालों के नाम करेंगे, अच्छा खाएंगे और खूब आराम करेंगे। यदि कोई मकान खरीदने की योजना बनाई है, तो आज उसके बारे में आगे बात बढ़ेगी। जीवनसाथी की समझदारी रंग लाएगी।

कर्क

आपको धन का लाभ होगा। किसी अजनबी से बहस न करें. पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय न लें। बेहतर होगा कि पैसे का लेन-देन न ही करें। अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें।

सिंह

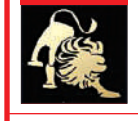

आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच गुजरेगा। कई काम आपका ध्यान आकर्षित करेंगे, जिससे आप भागदौड़ में ही दिन बिता देंगे और आराम नहीं कर पाएंगे। सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन महत्वपूर्ण है। पढ़ाई में आपका मन लगेगा. पढ़ाई को लेकर आपके टीचर्स आपको क्लास में सम्मानित कर सकते है।

तुला

खुद पर भरोसा हो, तो कोई काम मुश्किल नहीं. आज यही आपके साथ होगा। खुद पर भरोसा रखेंगे, जिससे काम सफल होते चले जाएंगे। आज मन में अपने काम और खुद की काबिलियत को लेकर गजब का उत्साह मिलेगा

वृश्चिक

आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आपका नौकरी में प्रयास सफल रहेगा। परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है।

धनु

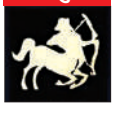

आज आपको थोड़ा संभल कर रहना पड़ेगा। आज किसी नए काम को हाथ में लेना अच्छा नहीं होगा। उसमें समस्या आ सकती है, इसलिए पुरानी योजनाओं को भी आगे बढ़ाने की कोशिश करें. कानूनी कामों से बचकर रहें।

मकर

आपका दिन सामान्य रहेगा। मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी।

कुम्भ

आज के दिन परिवार के लोगों का साथ मिलेगा. उनकी मदद से किसी काम को करने में आप सफल रहेंगे, जिससे आपकी इनकम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। अपने कार्यालय में किसी भी प्रकार के विवाद से बचने की कोशिश करें।

मीन

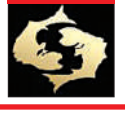

आपका रूझान आध्यात्म के प्रति अधिक लगा रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जा सकते हैं। ऐसा करने से आपको फायदे मिलने के आसार नजर आ रहे हैं. नये लोगों से मिलने के आसार नजर आ रहे हैं।

टॉलीवुड | मन की बात

क्या अंधा, गूंगा, बहरा हो गया है बॉलीवुड : विवेक अग्निहोत्री

बॉलीवुड में कुछ नाम ऐसे हैं जो अपनी हर बात खुलकर रखते हैं। इस कारण वे कई बार विवादों में भी घिर जाते हैं लेकिन वे हमेशा बेबाकी से अपनी बात रखते हैं। ऐसे ही एक शख्स हैं फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री। विवेक हर विषय पर खुलकर विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड को लेकर एक ट्वीट किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। विवेक अग्निहोत्री ने अपने ट्वीट में 4 कम बजट मूवीज की बात की है। विवेक ने लिखा है, '4 छोटी फिल्में जिनमें कोई सितारा नहीं था, जिसकी कोई मार्केटिंग नहीं की गई ना ही उन्हें डिस्ट्रीब्यूशन सपोर्ट मिला था। द कश्मीर फाइल्स, कार्तिकेय 2, कांतारा और रॉकेट्री। इन्होंने बॉक्स ऑफिस पर करीब 800 करोड़ रुपये कमाए। इन सभी फिल्मों की प्रोडक्शन कॉस्ट 75 करोड़ के अंदर थी। क्या बॉलीवुड ब्लाइंड, डीफ और डंब है? उन्हें साधारण सी गणित समझ नहीं आती और वे सीख नहीं सकते?' विवेक के इस ट्वीट के बाद से एक बार फिर बॉलीवुड में अलग अलग स्तर पर बहाए जा रहे रुपये पर बहस छिड़ गई है। कहा जा रहा है कि मनोरंजन जगत में बेवजह रुपये खर्च किए जाते हैं जबकि कम बजट में भी बेहतर फिल्में बनाई जा सकती है। अच्छा कंटेंट दर्शकों अपने आप अपनी ओर खींच पाने में सक्षम है। फिलहाल विवेक का यह ट्वीट बहुत से लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है। बता दें कि 'दि कश्मीर फाइल्स', 'कार्तिकेय 2, 'रॉकेट्री' और 'कांतारा' की कहानी को दर्शकों का काफी प्यार मिला है। इन फिल्मों का पिक्चराइजेशन और कहानी कहने का अलग अंदाज लोगों को पसंद आया है। 'कंतारा' को अब भी सिनेमाघरों में अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है।

भेड़िया : ठुमकेश्वरी में थिरकती नजर आयीं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड | गपशप

भेड़िये एक स्वर में गरज रहे हैं क्योंकि परम सुंदरी के बाद कृति सैनन अपनी आने वाली फिल्म भेड़िया के पहले गाने ठुमकेश्वरी पर थिरकने के लिए वापस आ गई है। कोरियोग्राफी के लिए झूमते हुए देखता है। लेकिन, गाने का सबसे बड़ा टेकअवे श्रद्धा कपूर हैं, जो उत्साहित करने वाले नंबर पर थिरकती हैं।

ट्रैक पर अपने विचार साझा करते हुए, वरुण धवन ने एक बयान में कहा, ठुमकेश्वरी एक ऐसा नंबर है जिसे डांस फ्लोर को जलाने के लिए बनाया गया है। मुझे इसकी फंकी धुन पर प्रदर्शन करने में बहुत मजा आया। गाने के बोल एक आकर्षक आनंद हैं, और मुझे यकीन है कि प्रशंसकों के लिए ट्रैक पर नाचते हुए गाला टाइम होने वाला है।

भेड़िया निर्माता दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी से संबंधित है और गाने में शामिल श्रद्धा दर्शकों को स्त्री के दिनों में वापस ले जाती है और गाने में उनकी इस उपस्थिति के पीछे दर्शकों की रुचि को चित्रित करती है और यदि वह फिल्म में एक कैमियो भी होगा।

गाने पर काम करने के बारे में, कृति ने कहा, मेरे पास थुमकेश्वरी की शूटिंग पूरी तरह से थी। मैं बहुत लंबे समय के बाद वरुण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर रही थी और हमने कभी भी इस तरह के भव्य ट्रैक पर एक साथ काम नहीं किया। यह काफी अच्छा था।

सचिन-जिगर द्वारा रचित और अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखित, जिन्होंने परम सुंदरी के लिए गीत भी लिखे हैं, ठुमकेश्वरी ऐश किंग और रश्मीत कौर के साथ खुद संगीत निर्देशकों द्वारा गाया गया एक पेपी नंबर है।

जियो स्टूडियोज और दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत, भेड़िया एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने किया है, जिसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

ट्विटर पर हुई कंगना की दोबारा वापसी बोली-

भविष्यवाणी करना आसान नहीं है

कंगना रनौत जो अपने बयानो को लेकर हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं। लेकिन कभी-कभी उन्हें इन बयानों को लेकर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है। इस समय अभिनेत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को लेकर चर्चा में आ गई हैं। आज ही कंगना रनौत के ट्विटर अकांउट को अनब्लॉक कर दिया गया है। ट्विटर पर अपनी दोबारा वापसी पर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। जब कगंना को पता लगा कि ट्विटर की कमान अब टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने संभाल ली है, तो अभिनेत्री ने तुरंत इंस्टा के जरिए ट्विटर पर वापसी करने की उम्मीद जताई थी। इतना ही नहीं कंगना ने एलन मस्क की तारीफों के पुल भी बांधे थे। अब कंगना ने इंस्ट्रग्राम पर एक स्टोरी लगा कर अपनी भविष्यवाणी पर लिखा है, जिसमें वें अनब्लॉक होने पर खुशी जाहिर करती नजर आ रहीं हैं। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अपनी की गई भविष्यवाणी की तारीफ करते हुए लिखा मैं हमेशा उन चीजों की भविष्यवाणी करती हूं, जो जल्द ही होने वाली होती हैं। कुछ लोग मेरी दूरदर्शिता को एक्स-रे कहते हैं, कुछ उसे श्राप कहते हैं और कुछ इसे जादू टोना कहते हैं। हम कब तक इस तरह की एक महिला प्रतिभा को खारिज करते रहेंगे। भविष्य की भविष्यवाणी करना आसान नहीं है। इसके लिए मानव प्रवृत्ति की उल्लेखनीय पहचान और व्याख्या के साथ-साथ ऑबसर्वेशनल स्किल्स की भी जरूरत पड़ती है। सबसे बड़ी बात इसके लिए अपनी पसंद और नापसंद को भी छोड़ना पड़ता है, ताकि हम जिस टॉपिक का अध्ययन करना चाहते हैं, उसका अध्ययन कर सके। कगंना पिछले एक साल से अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए लोगों से जुड़ी हुई थीं। क्योंकि एक साल पहले मई में अभिनेत्री का ट्विटर अकाउंट ज्यादा विवाद होने के बाद ब्लॉक कर दिया गया था।

अजब-गजब | दुल्हनों के साथ अन्य औरतों के रोने का ये था कारण

शादी के वक्त दुल्हन का रोना होता है जरूरी, आंसू न आने पर गांव में बन जाता है लड़की का मजाक

भारत में शादियों के वक्त दुल्हनें विदाई के समय रोती हैं। जब वो घर से अलग हो रही होती हैं तब उनको रोना आ जाता है क्योंकि वो अपना घर छोड़कर पराय घर में जाती हैं और फिर उसे ही अपना नया घर बना लेती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि भारत की ही तरह चीन में भी ऐसी ही परंपरा है पर हो हमारे यहां से ज्यादा ही विचित्र है, क्योंकि इसमें दुल्हनों को शादी के वक्त रोना पड़ता है, और अगर उनको रुलाई नहीं आई तो कई बार उन्हें रोने के लिए पीटा भी जाता है।

चीन के दक्षिण पश्चिमी प्रांत सिचुआन में तूजिया जनजाति के लोग हजारों सालों से रह रहे हैं। इनके यहां एक विचित्र परंपरा का पालन किया जाता है जिसमें दुल्हन का शादी में रोना जरूरी है। ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट की एक रिपोर्ट के अनुसार ये परंपरा 17वीं शताब्दी तक चरम पर थी और 1911 में क्विंग साम्राज्य तक इसका पालन किया जाता था। हालांकि, समय के साथ ये प्रथा खत्म होती जा रही है। जानकारों के अनुसार ये परंपरा 475 बीसी से 221 बीसी के बीच शुरू हुई थी जब ज़ाओ स्टेट की राजकुमारी की शादी यैन राज्य में हुई थी। तब जाने के वक्त उनकी मां फूटफूटकर रोई थी और बेटी को

जल्दी घर लौटने के लिए कहा था। इसी को शादियों में रोने का सबसे पहला मौका माना जाता है।

दुल्हन के ना रोने को मानते हैं बुरा

माना जाता है कि अगर दुल्हन नहीं रोती है तो गांव में उसका मजाक बन जाता है और लोग उसे परिवार की बुरी पीढ़ी मान लेते हैं। कई मौकों पर तो अगर दुल्हन को रोना नहीं आता तो मां अपनी बेटी को पीटकर उसे रुलाती है। अब एक ओर जहां दक्षिण पश्चिमी प्रांत में सिर्फ दुल्हन के रोने का रिवाज है, वहीं पश्चिमी प्रांत में रिवाज कुछ अलग है। यहां इसे जुओ टांग कहा जाता है जिसका अर्थ होता है हॉल में बैठना। शादी के एक महीने पहले, रात के वक्त दुल्हन किसी बड़े हॉल में जाती है और बैठकर करीब एक घंटे रोती है। इसके 10 दिन बाद उसकी मां भी उसके साथ शामिल हो जाती है और फिर 10 दिन बाद दादी-नानी, बहन, बुआ-मौसियां और सारे एक साथ रोते हैं। रोने के साथ एक खास गाना बजता है जिसपर वो सारे रोते हैं और इसे क्राइंग मैरेज सॉन्ग कहते हैं। ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट में बताया गया है कि पहले के वक्त में तो दुल्हनें रोने के साथ-साथ उन लोगों को अपशब्द भी कहती थीं जो उनका रिश्ता तय करते थे। इन सब चीजों के पीछे कारण ये बताया जाता है कि पहले के वक्त में महिलाओं को अपना पति चुनने की इजाजत नहीं होती थी, ना ही वो शादी के मामले में कुछ बोल सकते थे। उन्हें शादी करने के बाद ना रोना पड़े, इसलिए वो पहले रो लेती थीं। साथ में परिवार की दूसरी औरतों को रोता देख उन्हें तसल्ली दी जाती थी कि दूसरी महिलाओं के साथ भी वैसा ही हुआ है। इससे वो नई जिंदगी की शुरुआत साफ और शांत मन से करते थे।

पाकिस्तान के कोर्ट में जज साहब के सामने हुई 5 गधों की पेशी

कई बार ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनके बारे में जानकर एक बार तो विश्वास करना मुश्किल होता है। कोर्ट कचहरी में वैसे तो जज साहब के सामने इंसानों की ही पेशी होती है लेकिन क्या आपने कोर्ट में किसी जानवर की पेशी होती देखी या सुनी है। ऐसा ही एक अजीब मामला पाकिस्तान में सामने आया है। यहां एक मामले में जज साहब के सामने गधों की पेशी हुई। दरअसल, लक?ी की तस्करी से जुड़े एक मामले में चित्राल में एक सहायक आयुक्त के सामने पांच गधों को पेश किया गया। जियो न्यूज के मुताबिक, गधों को पहले पुलिस ने हिरासत में लिया था और बाद में चित्राल के द्रोश इलाके में लकड़ी की तस्करी में शामिल होने के आरोप में सहायक आयुक्त तौसीफुल्ला की अदालत में पेश किया गया। दरअसल, इन गधों को लकड़ी तस्करी मामले में सहायक आयुक्त ने संपत्ति के तौर पर तलब किया था। इसके बाद गधे और लकड़ी के स्लीपर को वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार सहायक आयुक्त ने कहा कि ये गधे सुरक्षित हैं और इन्हें किसी के हवाले नहीं किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अब गधों का इस्तेमाल तस्करी में नहीं किया जा रहा है। अदालत संतुष्ट थी कि गधे संबंधित अधिकारियों की हिरासत में हैं। दरअसल गधों पर लकड़ी के एक-दो टुक? बांधे जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये गधे बेहद होशियार हैं और वे अपने आप ही तस्करी की लकड़ी को सही स्थान पर पहुंचा देते थे। बता दें कि इससे पहले सितंबर में, वन विभाग के एक कर्मचारी ओमर शाह और उसके साथी इमरान शाह (चेक-पोस्ट गार्ड) को मखनियाल क्षेत्र में जंगल से मूल्यवान लकड़ी की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया था। मामला इसके बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। ओमर शाह मखनियाल क्षेत्र के हरिपुर में लंबे समय से देवदार और जीनस एबीज (चीयर) के पेड़ों की कीमती लकड़ी चोरी और बाद में बेच रहा था।

गोला गोकर्णनाथ विधान सभा उपचुनाव को लेकर बोले अखिलेश

सपा समर्थकों को धमका रहे भाजपाई चुनाव आयोग ले संज्ञान

» आचार संहिता के उल्लंघन का भी लगाया आरोप, मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखा पत्र

» चुनावी सभाओं में भाग ले रहे हैं सरकारी कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ विधान सभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतदाताओं से भाजपा की हर साजिश का मुकाबला करके सपा प्रत्याशी विनय तिवारी को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग को इस क्षेत्र में भाजपा नेताओं द्वारा भय व प्रलोभन के जरिए मतदान को प्रभावित करने की जो चालें चली जा रही हैं, उन पर तत्काल कार्यवाही करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र में विकास के तमाम कार्य किए गए थे और जीत पर क्षेत्र की जनता के हित में और भी विकास कार्य होंगे। भाजपा सिर्फ वादे करती है जबकि समाजवादी जो कहते हैं, वह करते हैं। उनकी कथनी-करनी में अन्तर नहीं होता है। भाजपाई समाजवादी समर्थकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्हें कई तरह से धमकियां दी जा रही हैं। मतदाताओं को प्रलोभन दिए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग को 27 अक्टूबर 2022 को ही पत्र लिखकर बताया गया है कि गोला गोकर्णनाथ विधान सभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी अमन गिरि के चुनाव संचालक हरविन्दर साहनी, विधायक पलिया आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन कर रहे हैं। दीवाली पर्व के नाम पर रुपए एवं मिठाई बांटी जा रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी प्रत्याशी को धारा 110 की नोटिस देना निष्पक्ष चुनाव की मर्यादा के विरूद्ध है। भाजपा के 40 मंत्री अपनी सुरक्षा के साथ क्षेत्र में मौजूद हैं और आतंक फैला रहे हैं। विशेषकर यादव पुलिस कर्मियों को चिह्नितकर उन्हें जबरन छुट्टी पर भेजा जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी की चुनाव सभाओं में सरकारी कर्मचारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपाई उपचुनाव में जो हालात पैदा कर रहे हैं उससे निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव कैसे हो सकेंगे? इसलिए भारत निर्वाचन आयुक्त तत्काल इन शिकायतों का संज्ञान लेकर प्रभावी कार्यवाही करें और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में मुकदमा दर्ज कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि उपचुनाव निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से सम्भव हो सके।

देव दीपावली पर काशी आ सकती हैं राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। देव दीपावली की अनुपम छटा निहारने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सात नवंबर को दो दिवसीय प्रवास पर काशी आ सकती हैं। फिलहाल प्राथमिक सूचना के बाद अब तक राष्ट्रपति के काशी आगमन का प्रोटोकाल नहीं आने पर अफसर संशय में हैं। राष्ट्रपति के संभावित दौरे के लिए बरेका गेस्ट हाउस को तैयार कराया जा रहा है।

प्रशासनिक तैयारियों के अनुसार विशेष विमान से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पहुंचेंगी। वे शाम को सड़क मार्ग से नमो घाट जाएंगी। यहां से जलयान से गंगा घाटों की सुंदरता और दीपोत्सव का अवलोकन करेंगी। ग्रामीण पुलिस की ओर से सात व आठ नवंबर के राष्ट्रपति के दौरे के लिए फ्लीट आदि की तैयारी की जा रही है। उधर, कमिश्नरेट पुलिस ने भी सुरक्षा को लेकर फोर्स की डिमांड भेज दी है।

शाह से मुलाकात के बाद चिराग का ऐलान, करेंगे भाजपा प्रत्याशी का प्रचार

» बिहार के गोपलगंज और मोकामा में हो रहा है उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष व जमुई लोक सभा सीट के सांसद चिराग पासवान बिहार की दो सीटों पर हो रहे उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के लिए वोट मांगेंगे। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को मुलाकात के बाद रविवार को लौटे चिराग ने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी पार्टी ने फैसला लिया है कि हम गोपालगंज और मोकामा में हो रहे उप चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशी के लिए वोट मांगेंगे।

चिराग ने कहा कि उन्हें कई मुद्दों पर बात करनी है। इसके लिए अगले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह से भेंट करेंगे। चिराग ने कहा कि बिहार उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी का समर्थन करने के लिए उनकी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सांसद नित्यानंद राय समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से लंबे समय से बातचीत चल रही थी। शनिवार को अमित शाह से कई विषयों पर बात हुई। इसके बाद इस चुनाव में भाजपा का समर्थन करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में प्रचार के लिए समय काफी कम बचा है। ऐसे में हमें मेहनत करते भाजपा के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करनी है। चिराग ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बिहार अध्यक्ष रोड शो और प्रचार के लिए अन्य जरूरी कार्यक्रमों को तय करेंगे।

विचारधारा की लड़ाई से ही रोका जा सकता है भाजपा को: पीके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेतिया। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा जैसी दिखती है वैसी है नहीं। यह तो सिर्फ झाग है। काफी आरएसएस है। मैंने कई राज्यों में भाजपा को हराने में अपना कंधा लगाया है। 10 साल अलग-अलग पार्टियों के साथ काम करने के बाद समझ में आया कि भाजपा को विचारधारा की लड़ाई से ही रोका जा सकता है। चाहे 10 साल लगे या 15 साल इस विचारधारा के विरोध में मजबूती से लड़ाई लड़नी पड़ेगी। जन सुराज पदयात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि आधे लोग भाजपा के डर से लालू को वोट दे रहे हैं, आधे लोग लालू के डर से भाजपा को। दोनों को फ्री का वोट लेने की आदत पड़ गई है। उन्हें पता है कि जब चुनाव आएगा तो जाति-धर्म की बात कर के वोट ले लेंगे।

पर्यावरण पर मिस्र में भारत की आवाज बुलंद करेंगे विकास

» क्लाइमेट चेंज पर बनायी उनकी शार्ट फिल्म को मिला था पहला स्थान

» लखनऊ निवासी विकास यूएनएफसीसीसी से भी हैं जुड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले माह नवंबर में मिस्र में कांफ्रेंस ऑफ यूथ और कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज की मीटिंग होनी है, जिसमें लखनऊ के विकास यादव का चयन बतौर डेलिगेट हुआ है। इसके पहले सितम्बर महीने में गुजरात में संपन्न हुई एलसीओवाई में भी वे बतौर डेलिगेट शामिल हुए थे।

सीओवाई का आयोजन मिस्र के अल-शेख शहर में दो नवम्बर से 4 नवम्बर में होगा। इसके अलावा सीओपी 27 का आयोजन भी 6 नवम्बर से 18 नवम्बर के बीच में अल-शेख में होना है, जिसमें विकास YOUNGO का प्रतिनिधित्व करते हुए उपस्थित रहेंगे। जहां वे पर्यावरण परिवर्तन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विकास यादव, लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। विकास इससे पहले भी COP 24 में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। तब उन्होंने क्लाइमेट चेंज पर एक शॉर्ट फिल्म बनाई थी, जिसे विश्व भर के देशों से भेजी गई फिल्मों में पहला स्थान प्राप्त हुआ था। विकास यादव का चयन COP 26 में भी हुआ था लेकिन निजी कारणों से वह इवेंट में नहीं जा पाए थे और उन्होंने वर्चुअली शिरकत की थी। विकास यादव एक क्लाइमेट अधिवक्ता और रिपोर्टर हैं और पर्यावरण और क्लाइमेट चेंज से जुड़े मुद्दों पर शॉर्ट फिल्म बनाते हैं। विकास यूएन की संस्था NFCCC के साथ जुड़कर भी कार्य कर रहे हैं और YOUNGO के कोर टीम के मेंबर भी हैं।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव

रणनीति तैयार कर रहे कांग्रेस के पेशेवर

» पार्टी वार रूम में तैनात की गई आईटी पेशेवरों की फौज

» सोशल मीडिया से भी प्रत्याशी के पक्ष में बनाया जा रहा माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। विधान सभा चुनाव के लिए जहां प्रत्याशी प्रचार के लिए मैदान में डटे हैं, वहीं राजनीतिक दलों की टीमें पर्दे के पीछे से भी मोर्चा संभाले हुए हैं। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में चुनाव वार रूम सक्रियता से काम कर रहा है। वार रूम में 150 लोगों की टीम है। काल सेंटर की तरह इसे बनाया गया है। इसमें 75 आईटी पेशेवर हैं, जबकि 75 लोग कांग्रेस के वालंटियर हैं। इंटरनेट मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम) पर क्या चल रहा है, इस पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। वार रूम से इंटरनेट मीडिया के जरिये पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके अलावा भाजपा की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेस वार रूम में कार्यकर्ता मोर्चा संभाले रहते हैं। खबरों के विश्लेषण से लेकर इंटरनेट मीडिया पर टिका टिप्पणी सभी पर पैनी नजर रखी जाती है। जिस विधान सभा क्षेत्र में बड़े नेता की रैलियां हैं, वहां पर पहले से ही ये टीमें काम करना शुरू कर देती हैं। प्रत्याशियों से भी फीडबैक लिया जाता है। नेताओं के भाषण हों या कार्यकर्ताओं के दिए नारे, यही टीम पोस्ट करती है। वार रूम में चुनावी रणनीति तैयार की जाती है। इसी रणनीति के अनुरूप फील्ड में प्रचार को धार दी जा रही है। पार्टी इंटरनेट मीडिया से लेकर भाजपा की हर मूवमेंट पर भी वार रूम से ही नजर रख रही है। किसने क्या बयानबाजी की, इंटरनेट मीडिया पर क्या ट्रोल हो रहा है, पार्टी प्रत्याशियों की रैली का इंटरनेट मीडिया पर क्या प्रतिक्रिया है, इस पर नजर रखी जा रही है। वार रूम पर जिम्मेदारी काफी ज्यादा बढ़ा दी गई है। किस प्रत्याशी की रैली कहां पर है, वहां पर किसकी ड्यूटी लगी है, इसका पूरा समन्वय वार रूम से किया जा रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव व चुनाव वार रूम के प्रभारी गोकुल बुटेल ने बताया कि डिजिटल प्रचार के दौर में चुनाव वार रूम की अहम भूमिका है।

फोटोः सुमित कुमार

राजधानी लखनऊ के गोमती तट के लक्ष्मण मेला मैदान पर छठ पूजा करती महिलाएं।

निकाय चुनाव तो बहाना, मिशन 2024 पर है निशाना

पिछड़ा वर्ग को साधने में जुटी बीजेपी, छठ पर्व की आड़ में पूर्वांचल के वोट बैंक पर भी नजर

चेतन गुप्ता

लखनऊ। भाजपा इस निकाय चुनाव को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के रूप में भी देख रही है। इसलिए पार्टी किसी भी तरह निकाय चुनाव में ढील नहीं बरतना चाहती। यही वजह है कि बीजेपी के यूपी से लेकर केंद्र तक के मंत्री और पदाधिकारी निकाय चुनाव की तैयारी में जोर-शोर से जुटे हैं। भाजपा हर वर्ग में अपनी पैठ बनाकर वोट पाना चाहती है। इसलिए अब पिछड़ा वर्ग के वोट बैंक को अपनी तरफ खींचने के लिए पार्टी जगह-जगह प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन कर रही है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता पदाधिकारियों को जीत का मंत्र देने का काम कर रहे हैं।

बीजेपी पूरे प्रदेश में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन कर रही है। लखनऊ में ओबीसी सेल के लिए पिछले दिनों अवध क्षेत्र का प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश कार्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, संगठन मंत्री धर्मपाल सैनी और पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी तरह कानपुर शहर से ज्यादा से ज्यादा पार्षद बनवाने और भाजपा का मेयर बनवाने के लिए अब पिछड़ा वर्ग के वोटर्स को साधने के लिए भी भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। इसी के तहत भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, कानपुर- बुंदेलखंड क्षेत्र का प्रशिक्षण न्यू शिवली रोड, कल्याणपुर स्थित पारस गार्डन में आयोजित हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को नसीहत दी कि निकाय चुनाव लोकसभा चुनाव का सेमी फाइनल है। 2024 के मिशन मोड पर सबको काम करना है। उधर, पार्टी हाईकमान के निर्देश पर छठ पर्व को पूरी तरह से कैश करने में बीजेपी के बड़े-बड़े नेताओं ने शुभकामनाओं की होर्डिंग्स लगाकर अपनापन दिखाने की पूरी कोशिश की, जिसका फायदा आगामी निकाय चुनाव के साथ ही लोकसभा चुनाव में भी मिलना तय माना जा रहा है।

गैर-यादव ओबीसी जातियां अहम

यूपी में गैर-यादव ओबीसी जातियां सबसे ज्यादा अहम हैं, जिनमें कुर्मी-पटेल 7 फीसदी, कुशवाहा-मौर्या-शाक्य-सैनी 6 फीसदी, लोध 4 फीसदी, गडरिया-पाल 3 फीसदी, निषाद-मल्लाह-बिंद-कश्यप-केवट 4 फीसदी, तेली-शाहू-जायसवाल 4, जाट 3 फीसदी, कुम्हार/प्रजापति-चौहान 3 फीसदी, कहार-नाई-चौरसिया 3 फीसदी, राजभर 2 फीसदी और गुर्जर 2 फीसदी हैं।

पिछड़ा वर्ग यूपी का सबसे बड़ा वोटबैंक

उत्तर प्रदेश में सरकारी तौर पर जातीय आधार पर कोई आधिकारिक आंकड़ा मौजूद नहीं है, लेकिन अनुमान के मुताबिक यूपी में सबसे बड़ा वोट बैंक पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का है। लगभग 52 फीसदी पिछड़ा वोट बैंक में 43 फीसदी वोट बैंक गैर-यादव बिरादरी का है, जो कभी किसी पार्टी के साथ स्थाई रूप से नहीं खड़ा रहता है। यही नहीं, पिछड़ा वर्ग के वोटर कभी सामूहिक तौर पर किसी पार्टी के पक्ष में भी वोटिंग नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में ओबीसी की 79 जातियां हैं, जिनमें सबसे ज्यादा यादव और दूसरे नंबर कुर्मी समुदाय की है। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक ओबीसी जातियों में यादवों की आबादी कुल 20 फीसदी है जबकि राज्य की आबादी में यादवों की हिस्सेदारी 11 फीसदी है, जो सपा का परंपरागत वोटर माना जाता है।

कर्नाटक की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी आम आदमी पार्टी

» 224 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने का किया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी बड़ा लक्ष्य बना रही है। उसने सभी 224 निर्वाचन क्षेत्रों में भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे के साथ अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। आप चुनाव से चार महीने पहले जनवरी 2023 के पहले सप्ताह तक उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर सकती है। इसके बाद उम्मीदवारों की अगली सूची की घोषणा की जाएगी।

कर्नाटक आप के संयोजक और पार्टी प्रवक्ता पृथ्वी रेड्डी ने कहा कि हमने सभी 224 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हमने राज्य के 170 निर्वाचन क्षेत्रों में ग्राम संपर्क अभियान (गांव पहुंच अभियान) के माध्यम से अपना अभियान शुरू किया है और हम इन 170 निर्वाचन क्षेत्रों में बूथ स्तर

पर लोगों को नियुक्त करने की प्रक्रिया में हैं। रेड्डी के मुताबिक, राज्य में करीब 58,000 बूथ हैं और पार्टी हर बूथ पर कम से कम 10 कार्यकर्ताओं की आक्रामकता से नियुक्ति कर रही है। उन्होंने समझाया कि हम बूथ स्तर पर काम करके अपनी पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। इस तरह हम पैसे और बाहुबल के खिलाफ लड़ सकते हैं। इन बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र के लोगों से संबंधित मुद्दों को उठाने का काम सौंपा गया है। रेड्डी ने कहा कि आप को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, क्योंकि लोग पहले से ही राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के तीनों प्रमुख राजनीतिक दल भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में कामयाब नहीं रहे।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की: शत्रुघ्न सिन्हा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद व पूर्व भाजपा नेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। सिन्हा ने कहा कि तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ राहुल का 3,570 किलोमीटर लंबा मार्च कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या को दोगुनी करने में मदद करेगा।

2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 52 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सिन्हा ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा को बहुत अच्छा समर्थन मिल रहा है। राहुल गांधी के करिश्मे ने काम करना शुरू कर दिया है और उन्हें जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मुझे लगता है कि राहुल की यात्रा अगले लोकसभा चुनाव में संसद में कांग्रेस की सीटों की संख्या दोगुनी करने में मदद करेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।